बिहार विधान-सभा वादवृत ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य विवरण ।

सभा के अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बृहस्पतिवार, तिथि २५ मार्च, १९५४ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ ।

विगत अधिवेशन के बचे हुये अतारांकित प्रश्नों के संबंध में सूचना ।

डा० अनुग्रह नारायण सिंह—मैं गत अधिवेशन के १९३ प्रश्नों में से ५२ प्रश्नों के उत्तर मेज पर रखता हूं । ऐसे ही प्रश्नों के उत्तर समय-समय पर सचिवालय के विभागों से उपलब्ध होने पर रखे जायँगे ।

अतारांकित प्रश्नोत्तर ।

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS.

संथाल परगना के अफसरों को भत्ता ।

१५८ । श्री जेठा किस्कू—क्या मुख्य मंत्री, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) संथाल परगना के किन २ मजिस्ट्रेटों को कितना २ वेतन और भत्ता मिला है ;

(ख) १९५२ साल में प्रत्येक को कितना वेतन और भत्ता मिला ?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) एक विवरण मेज पर रखा है । प्रत्येक मजिस्ट्रेट हर महीने जो यात्रा भत्ता लेता है वह नियत नहीं है । वह तो उसके दौरा पर निर्भर करता है ।

(ख) एक विवरण पुस्तकालय की मेज पर रखा है ।

अधिक पैसा का लिया जाना ।

१५९ । श्री रामानन्द तिवारी—क्या मुख्य मंत्री, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि नाथनगर सी० टी० एस० में सिपाहियों के साथ खाने तथा और और सामान खरीदने में ठीकेदार अधिक पैसा लेता है ;

(ख) क्या यह बात सही है कि वहां के सिपाहियों ने कई बार उच्च अधिकारियों का ध्यान इस ओर दिलाया, जिसके चलते भागलपुर के डी० आइ०-जी० जाँच में गये थे ;

(ग) क्या यह बात सही है कि डी०-आई० जी० ने उन आरोपों को सही पाया और सिपाहियों को आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा ;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार ने इस पर कौन सी कार्रवाई की जिससे सिपाहियों को राहत मिले ?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) सी० टी० एस० के रंगरूटों के मेस की वर्तमान प्रणाली के अनुसार ठीकेदार जो खाद्य पदार्थ और अन्य सामग्रियां देता है उनके लिए अधिक कीमत नहीं ले सकता । ठीकेदार महीना भर चावल, दाल आटा, चना तेल तथा कुछ अन्य वस्तु उधार देता है पर शर्त यह रहती है कि अगले महीने के पहले हफ्ते में पूरी कीमत चुका दी जाएगी । सब्जी तथा कुछ अन्य वस्तुएं, जिन्हें रोज खरीदना पड़ता

बेतिया के सहायक सर्जन द्वारा प्राइवेट दवाखानों की जांच।

२०७। श्री राधा पांडे—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि बेतिया के असिस्टेन्ट सर्जन डाक्टर मेहोरोत्रा ने बेतिया के प्राइवेट दवाखानों की जांच की थी, यदि हां, तो उन दवाखानों के नाम क्या हैं;

(ख) क्या यह बात सही है कि उक्त डाक्टर ने चीप मेडिकल हौल, बेतिया की भी जांच की थी और उसके विरुद्ध रिपोर्ट की थी;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर हां में हैं, तो सरकार ने उस रिपोर्ट पर कौन सी कारंवाई की है, यदि नहीं, तो क्यों;

(घ) क्या सरकार उस रिपोर्ट पर उचित कारंवाई करने का विचार करती है, यदि हां, तो कब तक?

श्री हरिनाथ मिश्र—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है। उन दवाखानों के नाम ये हैं।

(१) चीप मेडिकल हौल।
(२) पीपुल फार्मेसी।
(३) आइडियल फार्मेसी।
(४) नारायण फार्मेसी।
(५) काली मेडिकल हौल।
(६) कृष्ण एण्ड को।
(७) अशोक फार्मेसी।
(८) बेतिया मेडिकल हौल।
(९) उदय फार्मेसी।
(१०) जनता मेडिकल हौल।
(११) असर फार्मेसी।
(१२) शिवखानी मेडिकल हौल।
(१३) आजाद फार्मेसी।
(१४) अजमल फार्मेसी।

(ख) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ग) चीप मेडिकल हौल, बेतिया को उसकी त्रुटियों के लिये चेतावनी दे दी गई है।

(घ) उस दवाखाने को प्रबोधन करने के अलावे सरकार के सामने कोई दूसरी कारंवाई करने का प्रस्ताव नहीं है।

पटना मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों के लिए आवास स्थान।

२०८। श्री राम चन्द्र राय—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि सरकार ने पटना मेडिकल कौलेज हास्पीटल के डाक्टरों तथा कर्मचारियों को रहने के लिए मकान बनवाने का निश्चय किया है;

(ख) क्या यह बात सही है कि हाउस प्लैनिंग विभाग उन मकानों का प्लैन बनवा रहा है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों का उत्तर हां में है, तो क्या सरकार बतायेगी कि अभी तक प्लैन बनाने में कितना खर्च किया गया है?

श्री हरिनाथ मिश्र—(क) पटना मेडिकल कौलेज हास्पीटल के डाक्टरों तथा दूसरे कर्मचारियों के रहने के लिए क्वार्टर बनाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

(ख) उत्तर नकारात्मक है।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता।